DAY — 13 SEAT NUMBER | | | | | | |

2025	II	28	1500	J-351	(H)

BOOK KEEPING & ACCOUNTANCY (50)

Time : 3 Hrs. **(12 Pages)** **Max. Marks : 80**

प्र. १. निम्नलिखित में से सभी उपप्रश्नों को हल कीजिए : **[२०]**

(अ) दिए गए विकल्पों में से उचित उत्तर का चयन कीजिए तथा पूर्ण वाक्य पुन: लिखिए : (५)

(१) ——— यह एक अदृश्य संपत्ति है।
(अ) प्रसिद्धि (Goodwill) (ब) स्कंध
(क) नकद (ड) उपस्कर

(२) लाभ न कमाने वाली संस्था के खाते में आय का लागत पर अधिभार ——— कहलाता है।
(अ) घाटा (ब) फ़ायदा
(क) बढ़ना (ड) नुक़सान

(३) जब संपत्ति का मूल्य घटता है तो लाभ हानि समायोजन खाता ——— किया जाता है।
(अ) विकलित (Debit) (ब) समाकलित (Credit)
(क) अधिक (ड) बराबर

(४) विसर्जन व्यय (Dissolution expenses) ——— खाते में जमा किए जाते हैं।
(अ) रोकीकरण (वसूली) (ब) रोक / बैंक
(क) पूँजी (ड) कर्ज़

(५) पंजीकरण अधिकारी ——— होता है।

(अ) सरकारी अधिकारी (ब) आहर्ता

(क) भुगतानकर्ता (Payee) (ड) पृष्ठांकर्ता

(ब) वाक्य पूर्ण कर लिखिए : (५)

(१) व्यापार खाता ——— व्यय के आधार पर तैयार किया जाता है।

(२) आय और व्यय का खाता ——— खाता होता है।

(३) मृतक साझेदार के उत्तराधिकार खातों को स्थिति-विवरण के ——— की ओर दिखाया जाता है।

(४) स्थायी जमा (fixed deposit) खाता ——— समूह में आता है।

(५) यदि एक साझेदार (partner) ने एक संपत्ति ले ली है, तो फिर ——— खाता विकलित (debit) होता है।

(क) विसंगत / अलग शब्द पहचानिए : (५)

(१) मज़दूरी खाता, वेतन खाता, अधिकार शुल्क खाता, आयात शुल्क खाता

(२) मशीन खाता, उपस्कर खाता, संगणक खाता, किराया खाता

(३) सामान्य निधि खाता, उत्तमर्ण- खाता (creditors account), मशीन खाता, पूँजी खाता

(४) पंजीकरण अधिकारी, आहर्ता, आहार्यी, भुगतानकर्ता

(५) दिखती कीमत, बढ़ती कीमत, छूट पर , कर्ज़ पर

(ड) निम्नलिखित कथन से आप सहमत हैं या असहमत, लिखिए : (५)

(१) साझेदारी संस्था यह एक व्यापारी संस्था है।

(२) मुनाफा ना होना ही 'मुनाफा-न-करवाती (ग़ैर-मुनाफा)' संस्थाओं का उद्देश्य होता है।

(३) एक सेवानिवृत्त साथी को व्यवसाय से बाहर जाने वाला (outgoing) पार्टनर भी कहते हैं।

(४) किसी नए पार्टनर के प्रवेश करने पर लाभ-अनुपात की गणना की जाती है।

(५) वित्तीय वक्तव्यों (statement) में केवल स्थिति-विवरण का ही समावेश होता है।

प्र. २. श्री दीपक और श्री अभिषेक एक साझेदारी/भागीदारी संस्था में ३ : १ लाभ-हानि अनुपात के साझेदार/भागीदार थे। ३१ मार्च २०१९ को उन दोनों की संस्था का लिखित स्थिति-विवरण निम्नानुसार था : **[१०]**

३१ मार्च २०१९ का स्थिति-विवरण

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखा :		भूमि एवं इमारत	३२,०००
श्री दीपक	१,२०,०००	यंत्र तथा संयंत्र	६०,०००
श्री अभिषेक	४०,०००	उपस्कर (फर्नीचर)	२२,०००
सामान्य निधि	१६,०००	स्कंध	४०,०००
विविध उत्तमर्ण	८०,०००	विविध अधमर्ण	६४,०००
अधिकोष अधिविकर्ष (Bank overdraft)	४२,०००	नगद/रोकड़	८०,०००
	२,९८,०००		२,९८,०००

१ अप्रैल २०१९ को व्यवसाय में आदिनाथ को निम्न शर्तों पर सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया –

(१) उन्हें ₹ ४०,००० पूँजी के रूप में और प्रसिद्धि का हिस्सा ₹ २०,००० लाना होगा इसके लिए उन्हें भविष्यकाल के लाभ में १/५ हिस्सा मिलेगा।

(२) उपस्कर के मूल्यांकन में २०% से कमी की जाएगी।

(३) स्कंध का मूल्य १०% से बढ़ाया जाएगा।

(४) भवन के मूल्य में ५% की वृद्धि होगी।

(५) विविध अधमर्णों पर ५% की दर से सं.ऋ.सं. का नियोजन होगा।

(६) सभी भागीदारों के पूँजी खाते उनके लाभ बंटन के नए अनुपात से नगदी खातों के माध्यम से समायोजित किए जाएँगे।

तैयार कीजिए :

(अ) पुनःमूल्यांकन खाता/लेखा

(ब) साझेदारों/भागीदारों के पूँजी लेखे

(क) साझेदारी संस्था का नया स्थिति-विवरण

अथवा

आदित्य, आजिंक्य और अरुण तीनों ५ : ३ : २ के लाभ-हानि अनुपात में साझेदार हैं। उनका ३१ मार्च २०२० का स्थिति-विवरण निम्नानुसार है :

३१ मार्च २०२० का स्थिति विवरण

देयताएँ	**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**	**राशि (₹)**
उत्तमर्ण	१०,४५०	नकद	३,८००
सामान्य निधि	७,५००	अधमर्ण	९,०००
पूँजी लेखे :		स्कंध	८,७५०
आदित्य	२१,०००	यंत्र	५०,०००
आजिंक्य	१८,५००	उपस्कर	२,५००
अरुण	१६,६००		
	७४,०५०		**७४,०५०**

१ अप्रैल २०२० को अरुण की निवृत्ति निम्नलिखित शर्तों पर हुई :

(१) संस्था के विवरण हेतु प्रसिद्धि मूल्य ₹ १०,००० रखा जाएगा।

(२) स्कंध में १०%, उपस्कर में ५% तथा यंत्र में १०% से कमी करना है।

(३) अधमर्ण पर ५% सं.ऋ.सं. का आयोजन किया जाए।

(४) उत्तमर्णों से ₹ १०० कम किया जाए।

(५) अरुण को देय पूरी राशि को उन्हीं के कर्ज़ लेखे में स्थानांतरित किया जाएगा।

तैयार कीजिए :

(अ) लाभालाभ समायोजन लेखा

(ब) साझेदारों के पूँजी लेखे

(क) नई संस्था का स्थिति-विवरण

प्र. ३. शर्मिला, उर्मिला और लीला तीनों ''जीवन स्टोर्स'' नामक संस्था की साझेदार हैं जो अपना लाभ-हानि बँटवारा २ : २ : १ के अनुपात में करती हैं। ३१ मार्च २०२० को उन्होंने अपनी संस्था का समापन करने का निर्णय लिया उस दिन उनका स्थिति-विवरण निम्नानुसार था : **[१०]**

३१ मार्च २०२० का स्थिति विवरण

देयताएँ	**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**	**राशि (₹)**
पूँजी लेखा:		प्रसिद्धि	४५,६००
शर्मिला	२,२७,१६०	यंत्र	७३,०००
उर्मिला	१,४४,०००	मोटरगाड़ी	१,६७,६००
लीला	१,०८,०००	भवन	१,०२,०००

उत्तमर्ण	२८,८००	निवेश	६२,४००
देय विपत्र	२१,६००	अधमर्ण	३०,६००
		स्कंध	४५,०००
		बैंक	३,३६०
	५,२९,५६०		**५,२९,५६०**

उपर्युक्त दिन को संस्था का समापन घोषित किया गया।

संपत्तियों का रोकीकरण (realisation) निम्नानुसार हुआ –

(१) भवन को शर्मिला ने ₹ १,२३,६०० पर स्वयं ही रख लिया।

(२) उर्मिला ने प्रसिद्धि, स्कंध और अधमर्ण को पुस्तक मूल्य पर ही रख लिया तथा उत्तमर्ण और देय विपत्र भुगतान करने का करार भी किया।

(३) मोटरगाड़ी और यंत्र का क्रमश: ₹ १,५१,०८० और ₹ ३१,६८० पर रोकीकरण किया गया।

(४) लीला ने निवेश संपूर्णत: ₹ ५५,४४० पर स्वयं ही रख लिया।

(५) रोकीकरण व्यय ₹ ६,८०० हुए।

तैयार कीजिए :

(अ) रोकीकरण खाता

(ब) साझेदारों के पूँजी खाते

(क) नगद/बैंक खाता

अथवा

कनिका को मानसी के ₹ २६,००० लौटाना था।

मानसी ने कनिका पर ३ महीने के अंतराल युक्त ₹ २१,००० का विपत्र बनाया तथा मानसी को शेष राशि ₹ ५,००० रेखांकित धनादेश के साथ प्राप्त हुई। विपत्र स्वीकार किया गया तथा मानसी को लौटाया गया।

उसी दिन मानसी ने कनिका का स्वीकृत विपत्र बंसरी को हस्तांरित कर दिया।

विपत्र-भुगतान के दिन बंसरी ने मानसी को सूचित किया कि कनिका द्वारा स्वीकृत विपत्र अनादरित हो गया है एवं उस पर ₹ २८० आलोकन व्यय वसूला गया है।

उसके बाद मानसी ने कनिका के लिए १ महीने का नया विपत्र आलोकन व्यय और ₹ ६५० ब्याज के साथ बनाया।

देय दिनांक पर कनिका ने रेखांकित धनादेश द्वारा विपत्र को आदर प्रदान किया।

तैयार कीजिए :

(अ) मानसी की लेखा-पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ/रोजकीर्द

(ब) कनिका की लेखा-पुस्तकों में मानसी का खाता लेखे

प्र. ४. परिमल कंपनी लिमिटेड ने ₹ २० प्रति दर वाला कुल १,००,००० पूर्वाधिकार भाग/हिस्सा निर्गमित किया। उनका प्रतिभ्रमण मूल्य निम्नानुसार देना होगा : **[८]**

निवेदन/आवेदन	₹ ८
विभाजन/आवंटन	₹ ६
प्रथम याचना	₹ ४
अंतिम याचना	₹ २

कंपनी को संपूर्ण भाग हेतु आवेदन प्राप्त हुए तथा समस्त पूँजी-मूल्य भी प्राप्त हुआ।

परिमल कंपनी लि. की पुस्तक में आवश्यकतानुसार रोजकीर्द तैयार कीजिए।

अथवा

संगणकीय लेखांकन प्रणाली/प्रक्रिया (CAS) का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

प्र. ५. महेन्द्र, सुरेन्द्र और नरेन्द्र तीनों भागीदार/साझेदार हैं। वे आपस में ५ : ३ : २ के अनुपात में लाभ-हानि विभाजित करते हैं। उनका ३१ मार्च २०१९ को स्थिति-विवरण निम्नानुसार है : **[८]**

३१ मार्च २०१९ का स्थिति विवरण

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखे :		स्कंध	१७,०००
महेन्द्र	२३,०००	उपस्कर	१८,०००
सुरेन्द्र	१५,०००	भूमि व भवन	१६,०००
नरेन्द्र	१२,०००	बैंक	३७,०००
देय विपत्र	२,०००		
उत्तमर्ण	८,०००		
बैंक कर्ज़	१२,०००		
सामान्य निधि	१६,०००		
	८८,०००		**८८,०००**

दिनाँक ३० जून २०१९ को नरेन्द्र की मृत्यु हो गई और साझेदारी के अधिनियम द्वारा निम्न समायोजन करने का निर्णय लिया गया :

(१) स्कंध, उपस्कर, भूमि व भवन का पुनर्मूल्यांकन क्रमानुसार ₹ १६,७००, ₹ १६,२००, ₹ ३०,१०० किया गया।

(२) साझेदारी फर्म/संस्था की प्रसिद्धि पिछले ४ वर्षों के औसत लाभ की ३ गुना दर पर सुनिश्चित किए जाने के संदर्भ में ही नरेन्द्र का हिस्सा/भाग प्रदान कराने का करार भी हुआ।

पिछले ४ वर्षों का मुनाफा/लाभ –

१ वर्ष – ₹ ३०,०००

२ वर्ष – ₹ २५,०००

३ वर्ष – ₹ २५,०००

४ वर्ष – ₹ ४०,०००

(३) नरेन्द्र को उनकी मृत्यु की तिथि तक का पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर लाभ में हिस्सा प्रदान किया/दिया जाएगा।

(४) नरेन्द्र को वेतन के रूप में ₹ १,२०० प्रतिमाह भुगतान किया जाता था।

(५) पूँजी पर वार्षिक दर १०% से ब्याज देना सुनिश्चित हुआ था।

(६) मृत्यु की तिथि तक नरेन्द्र ₹ ९०० प्रतिमाह स्वखर्च लेते थे।

तैयार कीजिए :

(अ) नरेन्द्र का पूँजी-लेखा, जो उनके उत्तराधिकारी को देय राशि दर्शाता हो।

(ब) निम्नलिखित गणना-प्रक्रिया दर्शाइए :

(i) नरेन्द्र का प्रसिद्धि में हिस्सा

(ii) नरेन्द्र को देय लाभ में उसका भाग

अथवा

(अ) निम्नलिखित जानकारी के द्वारा चल अनुपात की गणना कीजिए : (४)

(i) संपूर्ण संपत्ति = ₹ २२,०००

(ii) स्थिर संपत्ति = ₹ १०,०००

(iii) विनियोजित पूँजी = ₹ २०,०००

(ब) निम्नलिखित जानकारी के द्वारा शुद्ध-लाभ अनुपात की गणना कीजिए: (४)

(i) विक्रय = ₹ ७६,०००

(ii) बिक्री किए गए माल का मूल्य = ₹ ५२,०००

(iii) अप्रत्यक्ष खर्चा = ₹ १२,०००

प्र. ६. 'भानुबाई महिला सेवा केन्द्र' का तारीख १ अप्रैल २०१९ और तारीख ३१ मार्च २०२० को समाप्त वर्ष का क्रमश: स्थिति-विवरण और प्राप्ति एवं शोधन खाता निम्नानुसार है : **[१२]**

१ अप्रैल २०१९ का स्थिति-विवरण

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी निधि :	४०,०००	यंत्र	१०,०००
अदत्त (outstanding)		उपस्कर	२०,०००
खर्च :		सरकारी बॉन्ड	६,५००
मजदूरी/वेतन	८,०००	बकाया सदस्यता शुल्क	८,५००
बिजली	७,०००	बैंकीय रोक	१०,०००
साहित्य	१,०००	हस्तस्थ रोक	१,०००
	५६,०००		**५६,०००**

प्राप्ति-शोधन खाता

३१ मार्च २०२० को समाप्त वर्ष का

विक. **समा.**

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	शोधन	राशि (₹)
आधिक्य अ./आ.		बिजली खर्च	२५,०००
हस्तस्थ रोक	१,०००	मजदूरी/वेतन	२२,०००
बैंकीय रोक	१०,०००	लेखन-सामग्री	३,०००
सदस्यता शुल्क :		भाड़ा एवं कर	११,८००
२०१८-२०१९ २,०००		यात्रा खर्चा	८,०००

२०१९–२०२०	४५,०००		आधिक्य अ./नी.		
२०२०–२०२१	३,०००	५०,०००	हस्तस्थ रोक		४,०००
प्रवेश शुल्क		२८,०००	बैंकीय रोक		२०,२००
अन्य प्राप्तियाँ		५,०००			
		९४,०००			**९४,०००**

अतिरिक्त जानकारियाँ :

(१) ×ÁÎ ëøßõÙ ₹ ४५० देना बकाया है।

(२) प्रवेश शुल्क को पूरी तरह पूँजीकृत किया जाए।

(३) उपस्कर पर १०% वार्षिक दर से अवक्षयण किया जाए।

(४) वर्ष २०१९–२० का सदस्यता शुल्क ₹ ३,००० बाकी है।

तैयार कीजिए :

(अ) ३१ मार्च २०२० को समाप्त वर्ष हेतु आय–व्यय लेखा

(ब) ३१ मार्च २०२० का स्थिति–विवरण

प्र. ७. राजन और रोहित दोनों समान अनुपात में लाभ–हानि विभाजन करने वाले साझेदार हैं। **[१२]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ३१ मार्च २०२० को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु लाभालाभ लेखा तथा उसी तिथि का स्थिति–विवरण तैयार कीजिए :

३१ मार्च २०२० को परीक्षा सूची

विकलनाधिक्य	**राशि (₹)**	**समाकलनाधिक्य**	**राशि (₹)**
बीमा	३०,०००	पूँजी खाते–	
भूमि व भवन	१,००,०००	राजन	१,००,०००

(१ जुलाई २०१९		रोहित	१,००,०००
को ₹ ४०,०००		१०% बैंक कर्ज़	६०,०००
अतिरिक्तता)		(१ अक्टूबर २०१९	
वेतन	१०,०००	को लिया गया)	
निर्यात शुल्क	५,०००	देय विपत्र	१९,०००
ब्याज	२,०००		
उपस्कर	८०,०००		
अधमर्ण	५२,०००		
	२,७९,०००		**२,७९,०००**

अतिरिक्त जानकारी :

(१) सकल लाभ/नफा (Gross profit) ₹ ६९,०००

(२) बीमा १ अप्रैल २०१९ से १५ महीनों के लिए दिया गया है।

(३) भूमि व भवन पर १०% प्रतिवर्ष एवं उपस्कर पर ५% प्रति वर्ष की दर से अवक्षयण अपलेखित किया जाना है।

(४) डूबत ऋण ₹ २,००० को अपलेखित कर ५% की दर से विविध अधमर्णों पर सं. ऋ. सं. का आयोजन किया जाना है।

(५) अंतिम स्कंध का मूल्यांकन ₹ ६९,००० आंका गया है।

◆◆◆